CHAUDHARY CHARAN SINGH UNIVERSITY, MEERUT, UTTAR PRADESH

Registrar
Ch. Charan Singh University
Meerut

7.1.11 Science Week festival

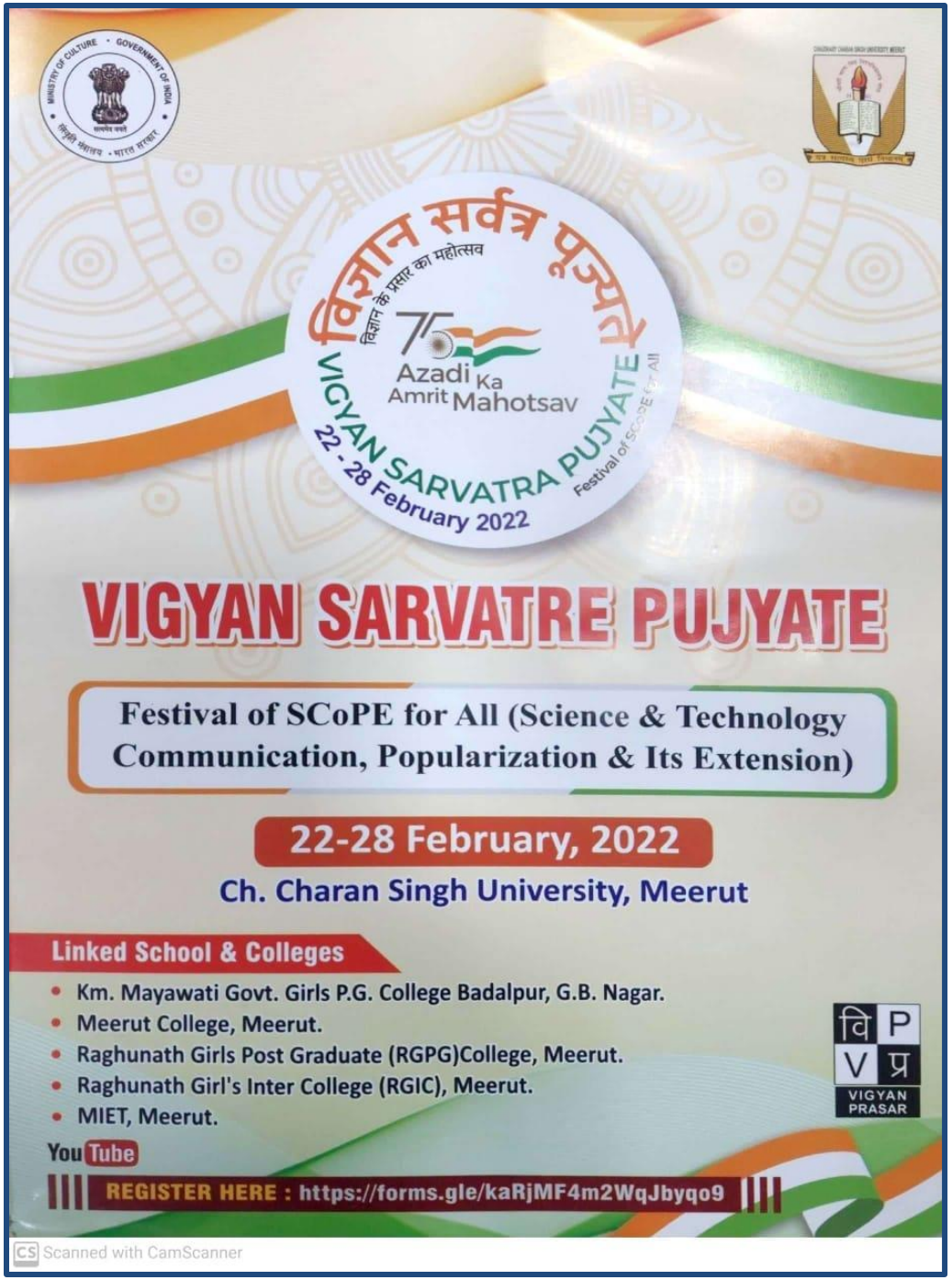

Some glimpse of "National Science Day Celebrations" at CCSU Meerut.
University celebrated "Science Week Festival" on the theme VIGYAN SARVATRA PUJYATE" sponsored by VIGYAN PRASAR, Ministry of Culture, Government of India on 75th Year of Independence (celebrated as AZADI KA AMRIT MAHOTSAV).

Some glimpse of "National Science Day Celebrations" at CCSU Meerut.
University celebrated "Science Week Festival" on the theme VIGYAN SARVATRA PUJYATE" sponsored by VIGYAN PRASAR, Ministry of Culture, Government of India on 75th Year of Independence (celebrated as AZADI KA AMRIT MAHOTSAV).

Some glimpse of "National Science Day Celebrations" at CCSU Meerut.
University celebrated "Science Week Festival" on the theme VIGYAN SARVATRA PUJYATE" sponsored by VIGYAN PRASAR, Ministry of Culture, Government of India on 75th Year of Independence (celebrated as AZADI KA AMRIT MAHOTSAV).

Some glimpse of "National Science Day Celebrations" at CCSU Meerut.
University celebrated "Science Week Festival" on the theme VIGYAN SARVATRA PUJYATE" sponsored by VIGYAN PRASAR, Ministry of Culture, Government of India on 75th Year of Independence (celebrated as AZADI KA AMRIT MAHOTSAV).

Science Week Festival (Vigyan Sarvatra Pujyate) by Faculty of Agriculture (Plant Protection Department)– 23/02/2022

Campus my city अमर उजाला 05

जैविक खेती से पहले मिट्टी की जांच कराएं : डॉ. गगनेश

माई सिटी रिपोर्टर

सीसीएसयू में विज्ञान उत्सव के तहत कार्यक्रम का आयोजन

मेरठ। यदि किसान जैविक खेती करना चाहते हैं तो खेत की मिट्टी की जांच कराएं। यह जांच किसी भी निजी लैब या सरकारी एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी की प्रयोगशाला में करवा सकते हैं। मिट्टी की सेहत के अनुरूप ही किसान उपयुक्त खाद और कीटनाशक का उपयोग कर अधिक उपज ले सकते हैं।

बुधवार को यह बात सीसीएसयू में विज्ञान उत्सव के दूसरे दिन मुख्य अतिथि जैविक संस्थान गाजियाबाद के निदेशक डॉ. गगनेश शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि अधिक रसायनों के प्रयोग से फसल उत्पादन तो बढ़ जाता है, लेकिन भूमि की उपजाऊ शक्ति कम हो रही है। इससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि जैविक खेती के लिए पर्याप्त मात्रा में जैविक खाद होना चाहिए। पशु मल-मूत्र अर्थात गोबर तथा फसलों के अवशेष से यह खाद बनती है। वेस्ट डिकंपोजर की सहायता से तीन से छह माह में जैविक खाद तैयार हो जाती है। इसमें गोबर गैस खाद, हरी खाद और गोबर की खाद शामिल है। बाजार में जैविक खेती से उत्पादित अनाज की मांग अधिक है।

सिक्किम में होती है 100 फीसदी जैविक खेती

सिक्किम देश का ऐसा राज्य है, जिसे 100 फीसदी जैविक खेती के लिए सम्मानित किया गया है। सिक्किम का कुल क्षेत्रफल 7 लाख 29 हजार 900 हेक्टेयर है। इसमें से मात्र 10.20 प्रतिशत क्षेत्र कृषि योग्य है। शेष क्षेत्र वन, चेरीसम भूमि, शीत मरुस्थल के तहत आता है। दूसरे सत्र में विधि परिसर के कृषि संकाय के विद्यार्थियों की एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दूसरे सत्र में मुख्य वक्ता एंटोगिल विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के प्रोफेसर डॉ. विवेक शर्मा ने मेडिसन्स प्लांट व एरोमेटिक प्लांट की उपयोगिता बताई। कार्यक्रम में विज्ञान प्रसार का वीडियो भी दिखाया गया। इस मौके पर नोडल अधिकारी प्रोफेसर शैलेंद्र शर्मा, डीन कृषि प्रोफेसर शैलेंद्र सिंह गौरव, प्रो. राहुल कुमार, डॉ. सचिन कुमार, डॉ. पंकज देव, डॉ. अजय कुमार, डॉ. यशवंत देव पवार मौजूद रहे।

Campus my city अमर उजाला 05

साइंस फेयर में मॉडल देखतीं कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला व अतिथिगण। संवाद

Some glimpse of "National Science Day Celebrations" at CCSU Meerut.
University celebrated "Science Week Festival" on the theme VIGYAN SARVATRA PUJYATE" sponsored by VIGYAN PRASAR, Ministry of Culture, Government of India on 75th Year of Independence (celebrated as AZADI KA AMRIT MAHOTSAV).